an>

Title: Regarding accepting the Swaminathan Commission Report.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आज भी किसानों के संबंध में पहला प्रश्न किया गया था और यहाँ पर भी बहुत-से माननीय सदस्यों ने किसानों के संबंध में अपनी बात रखी है।

मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूँ कि किसानों की बढ़ती हुई आत्महत्या के बारे में अभी तक औसत लगाया जाए, कृषि राज्य मंत्री मेरे बगल में बैठे हैं, मैं उनसे आंकड़े ले रहा था, तो पता चला कि अभी तक तीन लाख किसानों ने देश में आत्महत्या की है। मैं कहना चाहता हूँ कि सरकार को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करना ही चाहिए। कृषि को एक उद्योग का दर्जा देना चाहिए और उसके लिए अलग से बजट में प्रावधान करना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : कृषि मंत्रालय पर यह लम्बा भाषण हो जाएगा।

श्री नाना पटोले : इस देश में कृषि मंत्रालय का अलग से बजट बनना चाहिए तभी हम देश में किसानों की आत्महत्या को रोक सकेंगे। यही मांग मैं आपके सामने रखता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : सर्व श्री भैरों प्रसाद मिश्र, पी.पी. चौधरी, गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा कुमारी शोभा कारान्दलाजे, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री नाना पटोले द्वारा उठाये गये विषय से संबंध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।